मुम्बई-मुलुंड। इंटरनेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमैनिटी हेल्थ,साइंस एंड पीस,कैलिफोर्निया,अमेरिका द्वारा होटल साउथ एवेन्यू,तुकोगंज,इंदौर,मध्य प्रदेश में आयोजित कार्यक्रम में कोरोना काल में लोगों की आध्यात्मिक सेवा के लिए ब्रह्माकुमारीज़ मुलुंड सबज़ोन की ब्र.कु. लाजवंती बहन, ब्र.कु. सरला बहन तथा ब्र.कु. मीरा बहन को 'डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी' की डिग्री से सम्मानित किया गया। इस मौके पर महाराष्ट्र के मेम्बर ऑफ लेजिस्लेटिव काउंसिल महादेव जनकार तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गांधीनगर-गुज.। राजभवन,गांधीनगर में गांधी जयंती के अवसर पर माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर गुलदस्ता भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. कैलाश बहन। साथ में मणिनगर सबज़ोन प्रभारी ब्र.कु. नेहा बहन, चिलोडा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.तारा बहन, ऊजांनगर सेवाकेन्द्र प्रभारी रंजन बहन तथा केपिटल ऑफसेट्स एवं केपिटल वर्तमान अखबार के मालिक रमेश पटेल उपस्थित रहे।

हैदराबाद-तेलंगाना। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग द्वारा कोविड-19 में सेवारत डॉक्टर्स, नर्सेज़ एवं हॉस्पिटल स्टाफ के लिए ओसमानिया हॉस्पिटल में आयोजित सम्मान समारोह में मेडल एवं सर्टिफिकेट भेंट कर सम्मानित करते हुए माउंट आबू से मेडिकल विंग के सचिव राजयोगी ब्र.कु.डॉ. बनारसी लाल शाह तथा स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उमा बहन।

मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है इसका जवाब मेरे पास

यह ज़्यादा लकी है वह कम लकी ऐसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। वह लकी कौन डिसाइड करता है? कौन-सी एनर्जी मैंने यहाँ से भेजी थी। उदाहरण के तौर पर एक बॉल लेकर उसे दीवार पर मारा 'लॉ ऑफ साइंस' कि बॉल वापस आती है। नियम के आधार पर उसी तरह किया हुआ कर्म और भेजी हुई एनर्जी वापस आती है। जब वापस आ रही है, वापस आने वाली एनर्जी पर मेरा कोई कंट्रोल नहीं है। मतलब सामने से जो कुछ आ रहा है उस पर मेरा कोई कंट्रोल नहीं है, लेकिन जब सामने से कोई कुछ करता है और हम रेस्पॉन्ड करते हैं वह हमारा नया कर्म होता है। अगर अब कोई मेरे से गलत व्यवहार कर भी रहा है, कोई मेरे जीवन में विघ्न डाल भी रहा है। कुछ भी कर रहा है सबसे पहले मेरे मन को यह नहीं कहना चाहिए यह मेरे साथ ऐसा क्यों कर रहे हैं? मेरे पास यह एनर्जी क्यों आ रही है? कोई भी एनर्जी ऐसे ही आ नहीं सकती, जब तक डायरेक्शन में न हो। तो यह एनर्जी मेरे पास क्यों आ रही है क्योंकि मैंने कभी ना कभी भेजी थी मुझे याद नहीं कब भेजी थी, लेकिन एनर्जी जब तक ऐसे जाएगी नहीं तब तक ऐसे आएगी नहीं। यह लॉ ऑफ कर्म है। जैसे लॉ ऑफ ग्रेविटी हमेशा वर्क करता है। तो मैंने पीछे भी अज्ञानवश एनर्जी भेजी थी वही एनर्जी मेरे पास सामने से आ रही है। भल सामने वाले के व्यवहार के रूप में आ रही है, अब मैं उनको चेंज कर नहीं सकती। लेकिन मुझे अब उनके बारे में कैसा सोचना है, फील करना है, बात करना है, वो मेरा नया कर्म है। तो एक ही समय पर तीन एनर्जी साथ-साथ काम करती है, यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है। तीन काल साथ-साथ काम करते हैं। पास्ट, प्रेज़ेंट, फ्यूचर। जो मैं कर्म कर चुकी हूँ वो पास्ट मेरे सामने आ जाता है। तो पास्ट मेरे सामने तब आता है जो मैं अभी कर्म क्रियेट करूंगी। अब मैंने कौन-से कर्म क्रियेट किए वो फ्यूचर बनेगा और फिर वह पास्ट बनकर मेरे सामने आयेंगे। ये समझना कितना इज़ी है।

लोगों के साथ व्यवहारिक अकाउंट बहुत सॉफ्ट रखना है। हम छोटी-छोटी गफलत करते रहते हैं ना, किसी के बारे में कुछ बोलना, किसी का कुछ बोलना, किसी ने ऐसे कर दिया, किसी का वह कर दिया वो सारी एनर्जी है जो हम फेंक रहे हैं, फिर हम कहते हैं मैंने किसी के साथ गलत नहीं किया तो मेरे जीवन में ऐसा क्यों हो रहा है? ऐसा हो नहीं सकता कि हमने कुछ किया हो और वो हमारे पास वापिस न आये। इट इस लॉ। लॉ ऑफ ग्रेविटी की तरह। जब तक ऐसे एनर्जी जाएगी नहीं तब तक एनर्जी ऐसे आएगी नहीं।

अब क्या हम अपने कर्म और संस्कार पर अटेंशन रख सकते हैं? इज़ी है? इसलिए नहीं कि दूसरों का भला करना है इसलिए क्योंकि अपने ऊपर रहम करना है। कम्पेशन(करुणा) दूसरों पर तब होगी जब पहले अपने ऊपर रहम करेंगे। परमात्मा कहते हैं अपने संस्कार और कर्म श्रेष्ठ बनाओ। इतना रहम करो खुद पर कि सृष्टि स्वर्ग बन जाये। सृष्टि स्वर्ग बन जायेगी तो गुस्सा करना, निराश होना, उदास होना यह मेरा कर्म बिगड़ रहा है। तो अब सामने से कोई भी एनर्जी आये 10 सेकन्ड के लिए अपनी आँखे बन्द करें किसी एक व्यक्ति को देखें, क्योंकि मुझे अच्छी एनर्जी नहीं भेज रहा है। वो घर में हो सकता है अच्छी एनर्जी मतलब कोई तंग कर रहा हो, कोई प्रॉब्लम डाल रहा है, कोई विघ्न डाल रहा है, कुछ ठीक से बिहेवियर नहीं कर रहा कुछ भी हो सकता है। उसे सामने ले आना,फिर कोई भी हो सकता है फैमिली मेम्बर भी हो सकता है। स्ट्रॉन्ग कार्मिक अकान्ट सबसे ज़्यादा तो फैमिली में होता है। फिर मेरा मन कहता मेरा भाई ऐसा क्यों कर रहा है? मेरा बच्चा ऐसा क्यों कर रहा है? यह तो सिर्फ एक रोल है। वह आत्मा है, जो कार्मिक अकाउंट होता है वह किसके बीच होता है? आत्मा के बीच होता है। मैं आत्मा आज शरीर में हूँ, मैं आपके साथ कुछ गलत व्यवहार करती हूँ, आज मेरा शरीर चेंज हो गया, मैं दूसरे शरीर में चली गई। थोड़े साल बाद आपका भी शरीर चेंज हो गया, आप भी दूसरे शरीर में चले गए, लेकिन हम फिर ज़रूर मिलेंगे। याद करो,जिस दिन शादी हुई थी पंडित जी ने कहा था कि पहली बार नहीं मिल रहे,सात जन्म एक ऐसे युग में जब एक होते हैं कुछ तो मीनिंग है ना! उसका मीनिंग है हसबैंड एंड वाइफ इतना स्ट्रॉन्ग कार्मिक अकाउंट होता है कि यह एक जीवन काल का कार्मिक अकाउंट नहीं होता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम हसबैंड वाइफ-हसबैंड वाइफ बनते रहते हैं। सात जन्म अकाउंट के अंदर आते ज़रूर हैं, बहुत-बहुत बार आते हैं। इसीलिए अब इस जन्म में हम इतने स्ट्रांग कार्मिक अकाउंट में आए हैं। कार्मिक अकाउंट सिर्फ हस्बैंड और वाइफ के रिश्ते के बीच नहीं होता, वह हर रिश्ते के बीच होता है। इसलिए जिसको भी देखो आपको लगता है, मेरे साथ ऐसे क्यों? शायद पिछली बार मेरी तरफ से कोई गड़बड़ हुई है। मतलब पिछली बार मैंने दूसरा कुछ भेज दिया अब वहाँ से आ रहा है तो मुझे दुःख हो रहा है, लेकिन पॉवर अब मेरे पास है। अगर उनके व्यवहार को देखकर, उस गलती को देखकर मैं और दुःखी हो गई तो मेरा फिर प्रेज़ेंट कर्म भी कौन-सा चला जाएगा पिछली बार निगेटिव था, निगेटिव आ रहा है, फिर से निगेटिव हो जायेगा। ऐसे मोड़ पर हमें उसे सॉरी करना है या उस आत्मा को मेडिटेशन मतलब हमें वायब्रेशन देकर सॉरी बोलना है। जो हमारे जीवन में विघ्न डाल रही है। जो हम दोनों के बीच में क्रिएट हो गई है उसको हमें रियलाइज़ करना है। आज से मेरी तरफ से आपके लिए सिर्फ और सिर्फ सॉरी। लेकिन जन्म-जन्म के साइकल में पता नहीं किस-किस को दुःख देकर आए हैं, तो एक सेकंड के लिए सुबह कहो कि सारे जिनके साथ मैंने इंटरैक्ट(बातचीत) किया है अनेक जन्मों में, उन सब को मैंने जो गलतियां की थी उसके लिए सॉरी। ताकि हम जब अगली बार मिलेंगे हमारा कार्मिक अकाउंट बहुत बढ़िया रहेगा।

इस तरह हमें पास्ट के किए हुए कर्म को क्लीयर भी करना है और क्लीन भी करना है। हमें थोड़ा अटेन्शन रखना है, हमारे साथ जो भी हो रहा है या सामने से आ रहा है उसे सही अर्थ में समझ कर उसका रेस्पॉन्ड करना है न कि कर्म को और उलझाना है।

कोई भी एनर्जी ऐसे ही आ नहीं सकती, जब तक डायरेक्शन में न हो। तो यह एनर्जी मेरे पास क्यों आ रही है क्योंकि मैंने कभी ना कभी भेजी थी मुझे याद नहीं कब भेजी थी, लेकिन एनर्जी जब तक ऐसे जाएगी नहीं तब तक ऐसे आएगी नहीं।

लश्कर-ग्वालियर(म.प्र.)। राठौर समाज के द्वारा राम जानकी मंदिर में आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ लश्कर की मुख्य संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. आदर्श बहन, अनूप मिश्रा,पूर्व सांसद,मुरैना, प्रवीण पाठक,विधायक,दक्षिण ग्वालियर, किशन मुदगल,वरिष्ठ भाजपा नेता, हरिपाल जी,पार्षद वार्ड 48 एवं नेता प्रतिपक्ष, सतीश बोहरे,वार्ड 49, धर्मेन्द्र जैन,पार्षद वार्ड 51, जीतेंद्र मुदगल,पार्षद वार्ड 47, नवीन परांडे,पार्षद वार्ड 44, राठौर समाज से अध्यक्ष दिनेश राठौर, राकेश राठौर, हरचरण राठौर सहित अनेकानेक राठौर समाज के लोग उपस्थित रहे।

नवी मुम्बई-वाशी। ब्रह्माकुमारीज़ के आत्मचिंतन भवन में आने पर ज्ञानचर्चा के पश्चात् पीठाधीश श्री महंत जन्मेजय शरण महाराज को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी, ब्र.कु. शुभांगी बहन, ब्र.कु. मीरा बहन तथा अन्य मेहमान।

कटनी-सिविल लाइन(म.प्र.)। एस.पी. ऑफिस पुलिस कंट्रोल रूम में प्रधान आरक्षकों के इंडक्शन कोर्स के अंतर्गत 'तनाव मुक्ति शिविर' कराने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. लक्ष्मी बहन व ब्र.कु. भाई।

अलीराजपुर-म.प्र.। राजपूत धर्मशाला में 'साइलेंस शक्ति द्वारा शारीरिक व मानसिक रोगों व समस्याओं पर विजय' विषय पर संबोधित करते हुए इंदौर से आये 'जीवन जीने की कला के प्रणेता ब्र.कु. नारायण भाई। इस मौके पर उमेश वर्मा,मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट रीडर, समाज के नटवर सिंह सिसोदिया, ब्र.कु. ज्योति बहन, अरविंद गहलोत, भैरू सिंह चौहान, सीताराम राठौर, बाबूलाल चौहान, आशा सिसोदिया, राजेश चंदेल राजपूत समाज के अध्यक्ष, अरूण गहलोत तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजगढ़-म.प्र.। भाई दूज के अवसर पर संयुक्त कलेक्टर कमलचंद नागर को आत्मिक स्मृति का तिलक लगाने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुरेखा बहन।

इंदौर-गंगोत्री विहार(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञानदीप भवन में आयोजित दीपावली कार्यक्रम के दौरान पार्षद निरंजन चौहान को भाई दूज का तिलक देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सीमा बहन।

गोपाल नगर-कटनी(म.प्र.)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को दीपावली की बधाई देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सृष्टि बहन।

विदिशा ए33-मुखर्जी नगर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस पर अजय जैन,नवदुनिया ब्यूरो चीफ, अजय तिवारी दैनिक भास्कर ब्यूरो चीफ तथा गोविन्द सक्सेना पत्रिका ब्यूरो चीफ आदि पत्रकार बंधुओं को सम्मानित करते हुए ब्र.कु. रेखा बहन एवं ब्र.कु. रुकमणि बहन।